बी.एच.डी.सी.–107 / पाश्चात्य काव्यशास्त्र

# स्नातक उपाधि प्रतिष्ठा (सी.बी.सी.एस.)

## सत्रीय कार्य
## (जुलाई–2026 एवं जनवरी–2027 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.डी.सी–107
पाश्चात्य काव्यशास्त्र

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

मनविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

# हिन्दी में आधार पाठ्यक्रम
# सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रमकोड : बी.एच.डी.सी.–107 / बी.ए.ऑनर्स

**प्रिय छात्र / छात्राओ!**

'पाश्चात्य काव्यशास्त्र' पाठ्यक्रम में आपको एक सत्रीय कार्य करनाहै। यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किये गये हैं। उद्देश्य : सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपन`पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप स्वय`उस`अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं।उद्देश्य यह भी है कि अध्ययन के दौरान जो कुछ आपने सीखा और समझा है उस `आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरभं करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1. ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए विस्तृत निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए।
2. टपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
3. अपन ी उत्तर पुस्तिकाओं के प्रथम पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख कीजिए।
4. उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

   अनुक्रमांक : ..............................................................

   नाम : ..........................................................................

   पता : ..........................................................................

   ...................................................................................

   पाठ्यक्रम का नाम / कोड : ............................................

   सत्रीय कार्यकोड : ........................................................

   अध्ययन केन्द्र का नाम / कोड : ....................................

   दिनांक : ....................................................

5. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज़ का इस्तेमाल करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बाँध लें।
6. प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें और अपनी ही लिखावट में उत्तर दें।
7. सत्रीय कार्य पूरा करके जाँच के लिए अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक (Coordinator)के पास निर्धारित तिथि तक अवश्य जमा करा दें।

**सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि :**
**जुलाई 2026 सत्र के लिए: 31 मार्च, 2027**

**जनवरी 2027 सत्र के लिए: 30 सितम्बर, 2027**

# सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

सत्रीय कार्य में आपसे मुख्य रूप से तीन तरह के प्रश्न पूछे गए हैं।
उत्तर देने के लिए आप निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आपकेलिए लाभप्रद होगा :

1. **अध्ययन** : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में सभी खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।
2. **अभ्यास** : अपने उत्तर का प्रारूप लिखने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार का विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्ध और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,
ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraphs) के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हो,
ग) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा जो आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो।
घ) उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो और
ङ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

1. **प्रस्तुति** : जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसको साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप ज़ोर देना चाहते हैंउन्हें रेखांकित कर दीजिए।
2. **विशेष**: अपने उत्तर की फ़ोटोप्रति/कार्बन प्रति अपने पास अवश्य रखें।

शुभकामनाओं सहित!

**नोट :** याद रखें कि विश्वविद्यालय के नए नियमानुसार परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

# पाश्चात्य काव्यशास्त्र
# सत्रीय कार्य
# (संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित)

सत्रीय कार्यकोड : बी.एच.डी.सी.–107 / 2026–27
कुल अंक : 100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।दस अंक के प्रश्नों के उत्तर लगभग एक हजार शब्दों में तथा पाँच अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग पाँच सौ शब्दों में दीजिए।

1. अरस्तू के अनुकरण और विरेचन संबंधी अवधारणाओं पर प्रकाश डालिए। 10
2. स्वच्छंदतावाद का अर्थ स्पष्ट करते हुए छायावाद के साथ इसका तुलनात्मक विवेचन कीजिए। 10
3. लोंजाइनस के उदात्त सिद्धांत पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। 10
4. वर्ड्सवर्थ की काव्यभाषा संबंधी अवधारणा पर प्रकाश डालिए। 10
5. आधुनिकता का आशय बतलाते हुए इसके दार्शनिक आधार पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। 10
6. यथार्थवाद का अर्थ स्पष्ट करते हुए आलोचनात्मक यथार्थवाद का विवेचन कीजिए। 10
7. यथार्थवाद और अतियथार्थवाद का तुलनात्मक वर्णन कीजिए। 10
8. आई.ए.रिचर्ड्स के संप्रेषण सिद्धांत पर प्रकाश डालिए। 10
9. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिएः 4X5=20

(क) जादुई यथार्थवाद

(ख) उत्तर आधुनिकता

(ग) नई समीक्षा

(घ) मनोविश्लेषणवाद

1 10

2
3

4